MT - 114

2014 .... 1100 **Seat No.** | | | | | | | |

MT 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - VI

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

सूचना - शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1. मंगली के चेहरे पर आज सुबह के लिए खौफ नहीं, बल्कि ----------
   (अ) एक विश्वास था।
   (ब) एक जिज्ञासा थी।
   (क) एक अजीब चमक थी।

2. प्रीति के अनुसार असफलताएँ हमें ----------
   (अ) तंग करने के लिए हैं।
   (ब) कमजोर बनाती हैं।
   (क) उठाने के लिए हैं।

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1. मैंने उसे पहली बार इतना ..... होते देखा था।
2. उस गरम हुए ..... को उनसे छुड़ा लें।
3. किंतु ..... में संसार न हो।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1. आचार्य शुक्ल कवि सम्मेलनों में कविता कैसे प्रस्तुत करते थे ?
2. साहब के बड़े बेटे को देखकर विनायक बाबू को किसकी याद आई ?
3. अंधेर नगरी में भाजी और खाजा किस भाव से बिकता था ?
4. बंगले के सामने लॉन में क्या डाल दिया गया था ?
5. प्रीति मोंगा सबसे बड़ी चुनौती किसे कहती हैं ?

ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :** **2**

1. ''और फिर वह चिड़िया चुप हो जाती है।''
2. ''लाला घासीराम की पतोहू ने बिल्ली मार डाली है।''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :** **9**

1. संन्यासी की कुटी के आसपास का वातावरण कैसा था ?
2. हताश विनायक बाबू घर पहुँचे तो उन्होंने क्या अनुभव किया ?
3. रामगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन लेखक ने किन शब्दों में किया है ?
4. पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए क्या उपाय बताए ?
5. पलाश के वृक्ष भारत के किन राज्यों में और किन अन्य देशों में पाए जाते हैं ?

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों बखत पाँच - पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना पड़ेगा।'' कुछ रुककर पंडित जी ने कहा, ''सो इसकी चिंता न करो, मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूँगा और मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मणों के भोजन का फल मिल जाएगा।''

''यह तो पंडित जी ठीक कहते हैं। पंडित जी की तोंद तो देखो !''मिसरानी ने मुस्कराते हुए पंडित जी पर व्यंग्य किया।

1. पंडित जी के कथन से उनकी कौन - सी वृत्ति सूचित होती है ?
2. पंडित जी लोगों की किस भावना का लाभ उठाते नजर आ रहे हैं ?
3. मिसरानी ने पंडित पर किस प्रकार व्यंग्य कसा ?

प्रश्न 2.क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : **3**

1. हिंद के बहादुरो, ... बालको।
2. जीवन ..... प्रथम प्रधान हो।
3. यह किसी की व्यक्तिगत ..... है।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1. कृष्ण ने ब्रजवासियों के घर से अपने सखाओं को क्या खिलाया है ?
2. पथ पर चलते - चलते पीछे लौटना किससे भी बदतर है ?
3. कबीर घर से किसे भूखा न जाने की इच्छा करते हैं ?

ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए : 3

''चलना है केवल चलना है, जीवन चलता ही रहता है।
रुक जाना ही मर जाना है, निर्झर यह झरकर कहता है।''

1. जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है ?
2. रुक जाना किसके समान है ?
3. गतिशीलता का प्रतीक कौन है ?

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए : 2

1. दान दिए धन ना घटे, नदी न घटे नीर।
अपनी आँखों देख लो, यों क्या कहे कबीर ।।

ङ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : 6

1. कवि ने सतत आगे बढ़ने का कारण किस प्रकार स्पष्ट किया है ?
2. चंद्रमा का खिलौना न मिलने पर कृष्ण अपनी माँ यशोदा से क्या कहते हैं ?
3. कवि ने झरने के साथ जीवन की तुलना किस प्रकार की है ?
4. कबीर ने गुरु के महत्त्व को किस प्रकार स्पष्ट किया है ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : 8

1. पुस्तक - विक्रेता की बीमारी क्या थी ? स्पष्ट कीजिए।
2. चिन्मय और चारु ने भागती ट्रेन में झपटमारों से किस प्रकार मुकाबला किया ?
3. हिंदुस्तान के जनजीवन एवं जनमानस पर तुलसी के प्रभाव को पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
4. लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की क्या जानकारी दी गई है ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

1. थिंफू : भूटान की वर्तमान राजधानी।
2. अपनी - अपनी बीमारी

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

1. पास 2. अचानक

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : 1

1. वह धीरे - धीरे धनुषाकार होता जा रहा था।
2. तुमने क्या सफाई दी ?

ज) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :** **1**

1. माँ चिंता में पड़ गई । (पूर्ण वर्तमानकाल)
2. वे तोलकर बोलते थे । (अपूर्ण भूतकाल)

झ) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :** **1**

1. रामू की बहू ने तय कर लिया ।
2. आप मेरी बात समझ सकी ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1. बैठना 2. डालना

ट) **निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :** **1**

1. माँगना 2. मिलना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1. माँ ने नौकरानी से कहकर रमा से खीर बनवाई ।
2. सेठ ने दूकानदार से सामान मँगाया ।

ठ) **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :** **2**

1. राजा की हुक्म टल नहीं सकती ।
2. लगनवाली व्यक्ति कटु बोलती है ।
3. वह ग्वाले को रिश्वत माँगता हैं ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:

1. मैंने कहा भैया मत रोओ सिर दुखेगा
2. इसे संस्कृत में किंशुक (क्या यह शुक है) कहा गया है
3) ये बरगद नीम पीपल आदि के समान फैले हुए होते हैं

ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए:** **3**

1. खून सवार हो जाना । 2. मस्तक नवाना ।
3. कानों में गूँजना । 4. जान के लाले पड़ना ।
5. हामी भरना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :

(दहाड़े मारकर रो पड़ना, अवसर न देना, गुदगदा देना, आँखें फाड़कर देखना, बिजली की तरह फैलना)

1. हमारे जीवन में आनंददायी क्षण बहुत कम होते है ।
2. मेरे पड़ोस में चोरी हुई यह बात सारे मुहल्ले को मालुम हो गई ।
3. रामलाल को सच्चाई साबित करने का मौका नहीं दिया गया ।
4. सर्कस में हम जादूगर का खेल आश्चर्य से देख रहे थे ।
5. इकलौते बेटे की मौत की खबर सुनकर माँ जोर जोरसे रोने लगी ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : 10

1. घायल सैनिक की आत्मकथा ।
2. परीक्षा शुरू होने से पहले एक घंटा ।
3. यदि बिजली न हो तो ..... ।
4. मेरा भारत महान ।

प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 4

महेश / महिमा शर्मा, गांधी नगर, अमरावती – 355421 से स्वास्थ्य अधिकारी महानगर पालिका, को शहर में अशुद्ध जल की पूर्ति होने के कारण ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

रमेश / रमा पांडे, इंद्रानगर, फिरोजपुर से व्यवस्थापक, सोनिया औषधि भंडार, राजीव चौक, जालंधर को घरेलू औषधियाँ वी.पी.पी. द्वारा मँगवाते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

1) बाजार में बेचने के लिए कपड़े धोने के साबुन का प्रचार करना है ।

(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है । 4

रूपरेखा : एक गाँव – पालतू हाथी – प्रतिदिन पानी पीने तालाब जाना – रास्ते में दर्जी की दूकान – दोनों में मित्रता – दर्जी का हाथी को कुछ न कुछ खिलाना – लौटते समय दर्जी को कमल देना – एक बार दर्जी के मन में शरारत – हाथी की सूँड में सुई चुभाना – लौटते समय सूँड में कीचड़ भर लाना – दर्जी पर फेंकना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :** **4**

भारतीय संगीत में देश के सभी भागों के संगीत का समावेश होता है। पंजाब का भांगड़ा, गुजरात का गरबा, उड़ीसा का ओड़ीसी, आंध्र का कुचीपुड़ी तथा केरल का कथकली आदि नृत्य सारे देश में लोकप्रिय हैं। भारत के सभी प्रांत एक ही केंद्रीय सत्ता के अधीन हैं। सारे देश का एक संविधान, एक कानून, एक राष्ट्रध्वज तथा एक राष्ट्रगीत है। भारतीय सेना में सभी प्रांतों के सैनिक हैं। क्रिकेट, फुटबाल जैसे खेलों की राष्ट्रीय टीम में अलग - अलग प्रांतों के खिलाड़ी चुने जाते हैं।

Best of Luck

MT - 114

2014 1100

MT 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER -VI

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

उ.**1**.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1.	मंगली के चेहरे पर आज सुबह के लिए खौफ नहीं, बल्कि **एक जिज्ञासा थी ।**	**1**
2.	प्रीति के अनुसार असफलताएँ हमें **उठाने के लिए हैं ।**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1.	मैंने उसे पहली बार इतना **दार्शनिक** होते देखा था ।	**1**
2.	उस गरम हुए **बरतन** को उनसे छुड़ा लें ।	**1**
3.	किंतु **वाणी** में संसार न हो ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1.	आचार्य शुक्ल कवि सम्मेलनों में बाँचने के स्वर में अपनी कविता प्रस्तुत करते थे ।	**1**
2.	साहब के बड़े बेटे को देखकर विनायक बाबू को साइकिल स्टैंडवाले गनपत की याद आ गई ।	**1**
3.	अंधेर नगरी में भाजी और खाजा दोनों टका सेर से बिकता था ।	**1**
4.	बंगले के सामने लॉन में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई थीं ।	**1**
5.	प्रीति मोंगा चुनौतियों को पहचानना सबसे बड़ी चुनौती मानती हैं ।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1.	रामगढ़ के बंगले के लॉन में लेखक तथा अन्य लोग चाय पी रहे थे, उसी समय एक चिड़िया की 'जुहो! जुहो! जुहो!' की मार्मिक पुकार सुनाई दी । लोगों की जिज्ञासा देखकर वहाँ के मैनेजर ने चिड़िया से जुड़ी एक हृदयस्पर्शी कहानी सुनाई । इसी लोककथा के बारे में बताते हुए उसने कहा कि जब चिड़िया 'जुहो! जुहो! जुहो!' की करुण पुकार करती है, तब प्रतिक्रिया स्वरूप एक कर्कश पक्षी स्वर सुनाई पड़ता है - 'भोल जाला!' यह सुनकर 'जुहो! जुहो! जुहो!' की व्यथित पुकार करने वाली चिड़िया मौन हो जाती है ।	**2**

2. महरी रामू की बहू के सिर से बिल्ली की हत्या का प्रायश्चित करवाने के लिए माँ जी के कहने पर पंडित परमसुख जी को बुलाने जाती है। इसी संदर्भ में पंडित जी ने पंडिताइन से यह वाक्य अत्यंत खुश होकर कहा है। **2**

उ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :

1. अमर कहानीकार 'प्रेमचंद' जी ने 'शिकारी राजकुमार' पाठ में स्वार्थलोलुप, हिंसक, विलासी शासकों को फटकारते हुए जनकल्याण के प्रति शासक के धर्म पालन की उम्मीद जताई है। **3**

संन्यासी की कुटी नदी के घाट के पास कदंबकुंज की घनी छाया में बनी हुई थी। कुटी के आसपास का वातावरण बहुत ही हरा-भरा था। वहाँ शीतल, मंद और सुगंधित हवा बह रही थी। नदी की तरंगों का मधुर नाद आसपास के वातावरण संगीतमय बना रहा था। कुटी के पास हरी - हरी घास पर मोर थिरक रहे थे। कपोतादि पक्षी मस्त होकर झूम रहे थे। लताएँ और वृक्ष वहाँ के वातावरण को मनमोहक बना रहे थे। शाम हो चुकी थी। उसी समय संन्यासी ने एक वृक्ष के नीचे बैठकर कोयल की कूक जैसे मीठे स्वर में सूरदास के एक प्रसिद्ध भजन ''उधो कर्मन की गति न्यारी'' को गाना शुरू किया।

इस तरह संन्यासी के आसपास का वातावरण बहुत ही मनमोहक, सुंदर, पवित्र और आनंददायक था।

2. लेखक 'राजेंद्र श्रीवास्तव' जी ने 'संपन्नता' पाठ में विनायक बाबू के परिवार के माध्यम से वास्तविक संपन्नता को परिभाषित किया है। **3**

विनायक बाबू बड़े साहब के बंगले की धन संपन्नता से अत्यधिक प्रभावित हुए थे। उनके चेहरे पर हताशा के भाव स्पष्ट झलक रहे थे। अपने अभावग्रस्त जीवन ने उन्हें बहुत ही उदास व निराश कर दिया था। विनायक बाबू 'क्या खोया और क्या पाया' के रूप में अपने जीवन का मूल्यांकन करने लगे। उन्होंने सोचा दुनिया कहाँ - से - कहाँ पहुँच गई है ! लोगों ने दिन दूनी, रात चौगुनी तरक्की करते हुए संपन्नता के शिखर को छू लिया है। दूसरी तरफ वे खुद वहीं विपन्नता से घिरे हुए संघर्षरत हैं। संपन्नता की दौड़ में वे काफी पिछड़ गए हैं। समाज में एक ओर बड़े साहब जैसे संपन्न व्यक्ति हैं जिनके पास सभी आधुनिकतम सुख सुविधाओं के साधन उपलब्ध हैं। हर दिन लाखों रुपए पानी की तरह बहा दिए जाते हैं। करोड़ों रुपए खर्च होने पर भी घर की सजावट से मन नहीं भरता है। दूसरी तरफ अभावग्रस्त जीवन जीने के लिए विवश विनायक बाबू अब उन्हें अफसोस हो रहा था कि सही - गलत हर तरीके से पैसे कमाने की तरफ उनका ध्यान क्यों नहीं गया। काश ! उन्होंने जीवन के इन आदर्शों से समझौता नहीं किया होता तो आज उनका परिवार भी खुशहाल होता। उन्हें पैसों के लिए किसी के सामने विवश न होना पड़ता। विनायक बाबू की दयनीय स्थिति का कारण उनकी सत्यवादिता और ईमानदारी थी।

इस प्रकार हताश विनायक बाबू घर पहुँचे तो उन्होंने जीवन के अभावों और अपने परिवार की विपन्नता के लिए खुद को दोषी अनुभव किया।

3.	सुप्रसिद्ध लेखक 'धर्मवीर भारती' जी ने 'कूर्मांचल में कुछ दिन' नामक यात्रा - संस्मरण पाठ में हिमालय का द्वार समझे जाने वाले 'कूर्मांचल' के प्राकृतिक सौंदर्य का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है। लेखक धर्मवीर भारती जी की यादों में कूर्मांचल यात्रा की यादें हमेशा तरो - ताजा रही हैं। कूर्मांचल का जिक्र आते ही हमेशा उनकी आँखों के सामने रामगढ़ की उस एक शाम की तस्वीर उभर आती है, जिस शाम वे कूर्मांचल पहुँचे थे। लेखक ने वहाँ एक बहुत ऊँची और वनों से ढँकी हुई पर्वत शृंखला देखी। रामगढ़ की ओर मीलों तक फैली लंबी फूलों की वाटिका है। उस वाटिका में सेब के पेड़ों की कई कतारें हैं। वाटिका में मौजूद अन्य पेड़ों पर सुनहले, हरे, पीले, सिंदूरी और गुलाबी रंग के फलों की सुंदरता तो देखते ही बनती है। वहाँ एक ओर धरती पर प्रकृति की यह मनभावन छवि है, तो दूसरी तरफ समरफोर्ड के पहाड़ पर सफेद बादलों की शोभा सभी के मनों को मोहित कर देती है। यहाँ की पर्वत शृंखलाओं के बीच से हिमालय के गगनभेदी शिखरों की मनमोहक छटा देखने को मिलती है। इस प्रकार रामगढ़ के प्राकृतिक दृश्य अपनी मोहकता से सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं।	3
4.	लेखक 'भगवतीचरण वर्मा'जी ने 'प्रायश्चित' पाठ के माध्यम से धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है। पंडित परमसुख को जब यह पता चला कि बिल्ली की हत्या ब्रह्ममुहूर्त में हुई। इसे उन्होंने घोर कुंभीपाक नरक बताया। उन्होंने कहा कि प्रायश्चित कर लेने से सब कुछ ठीक हो जाएगा। शास्त्रों में प्रायश्चित का यह विधान बताया गया है कि बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए उसके वजन के बराबर सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दे। पूजा पाठ करना होगा। पूजा की सामग्री को पंडित जी के घर भिजवा दी जाए। उस सामग्री में करीब दस मन गेहूँ, एक मन चावल, एक मन दाल, मन भर तिल, चार पसेरी घी और मनभर नमक। इसके अलावा इक्कीस दिन का पाठ करना होगा। इक्कीस दिन के पाठ के लिए इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों समय पाँच-पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना होगा। ब्राह्मणों के भोजन की चिंता न की जाए क्योंकि वे स्वयं इसके लिए दोनों समय भोजन कर लेंगे और उनके अकेले के भोजन करने से रामू के परिवार को पाँच ब्राह्मणों के भोजन का फल (पुण्य) मिल जाएगा। इस प्रकार पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए दानपुण्य करने के उपाय बताए।	3
5.	लेखक डॉ. 'परशुराम शुक्ल जी' द्वारा लिखित पाठ 'पलाश' में पलाश के वृक्ष का सरल, सुलभ भाषा में बहुत ही सुंदर ढंग से परिचय कराया गया है। भारतीय मूल का प्राचीन वृक्ष पलाश एक अलौकिक वृक्ष है। ये वृक्ष बंगाल में बहुत पाए जाते हैं। कोलकाता के उत्तर में लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर प्लासी नामक स्थान पर पहले पलाश का जंगल था। भारत में यह बहुत शुष्क और बलुई मिट्टी वाले स्थानों पर 360 मीटर की ऊँचाई वाले	3

भागों में पाया जाता है। पलाश के वृक्ष उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बंगाल, बिहार और पंजाब में अधिक हैं। साथ ही इसे हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक में भी बड़ी संख्या में देखा जा सकता है। पलाश का वृक्ष भारत के साथ ही म्यानमार (बर्मा) और श्रीलंका में भी पाया जाता हैं।

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए।**

1. पंडित जी के इस कथन से उनकी लालची वृत्ति सूचित होती हैं। **1**
2. पंडित जी लोगों के अंधविश्वास की भावना का लाभ उठाते नजर आ रहे हैं। **1**
3. मिसरानी ने पंडित जी पर उनकी असाधारणरूप से अत्यधिक खाने की क्षमता और लालची स्वभाव पर व्यंग्य कसा। **1**

उ.**2**. **क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए :**

1. हिंद के बहादुरो, **शूरवीर** बालको। **1**
2. जीवन **शिल्पी** प्रथम प्रधान हो। **1**
3. यह किसी की व्यक्तिगत **आलोचना** है। **1**

ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए।

1. कृष्ण ब्रजवासियों के घर से अपने सखाओं को गोरस (दूध - दही - मक्खन) खिलाते थे। **1**
2. पथ पर चलते - चलते पीछे लौटना मौत से भी बदतर है। **1**
3. कबीर घर से साधु के भूखा न जाने की इच्छा करते हैं। **1**

ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए।

1. जीवन का वास्तविक उद्देश्य निरंतर चलते रहना है। **1**
2. रुक जाना मृत्यु के समान है। **1**
3. गतिशीलता का प्रतीक निर्झर है। **1**

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए।

1. **भावार्थ** : इस दोहे में संत कबीर ने दान का महत्त्व स्पष्ट किया है। **2**

कबीरदास जी कहते हैं कि दान का बहुत बड़ा महत्त्व है। परोपकार और समाज की भलाई के लिए किए गए दान से संपत्ति कभी भी नहीं घटती। कबीर नदी के उदाहरण द्वारा समझाते हैं कि नदी का जल पीने से उसके जल में कमी नहीं होती, उसी प्रकार दान देने से संपत्ति नहीं घटती है। कबीर कहते हैं कि सिर्फ मेरे कहने को ही मत अपनाओ बल्कि अपनी आँखों से महान दानियों को देखो और उनकी दान की प्रवृत्ति को अपनाओ।

ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :

1. सुप्रसिद्ध कवि गोपालदास सक्सेना 'नीरज' जी ने 'खग, उड़ते रहना' कविता में मानव को किसी भी परिस्थिति में हार न मानने तथा जीवन के पथ पर सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी है। **3**

कवि 'नीरज' जी ने खग को प्रेरित करने के लिए कहते हैं कि यदि खग प्रलयकारी आँधी, तूफान और तेज हवा के झोकों से खग को डरना नहीं चाहिए। यदि खग उनसे डरकर अपने घोंसले की तरफ कायरतापूर्वक लौट पड़ा तो उसे अपने स्वजनों द्वारा ही तिरस्कृत होना पड़ेगा। ऐसी शर्मनाक जिंदगी मौत से भी बदतर होती है। उसकी अपेक्षा मंजिल - पथ की चुनौतियों से संघर्ष करते हुए मिट जाना बेहतर है। अपनी कुर्बानी देकर वह सबकी आँखों का तारा बन सकता है। उसकी शहादत भावी पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बन सकती है।

इस प्रकार कवि ने सतत आगे बढ़ने का कारण आदर्श और शहादत द्वारा स्पष्ट किया है।

2. सुप्रसिद्ध कवि 'सूरदास' जी ने 'सूरदास के पद' कविता में ब्रज की नारियों द्वारा माँ यशोदा से बालक कृष्ण की शिकायत मक्खन चुराने की शिकायत करने तथा बालक कृष्ण द्वारा चंद्र खिलौना पाने का हठ करने पर माँ यशोदा द्वारा कृष्ण को बहलाने का सुंदर सजीव चित्रण किया है। **3**

कृष्ण माँ यशोदा से चंद्रमा को पाने की जिद करते हैं।वे कहते हैं कि यदि मुझे चंद्रमा का खिलौना नहीं मिला तो मैं धौरी (सफेद) गाय का दूध नहीं पिऊँगा, सिर पर चोटी नहीं गूथने दूँगा, मोती की माला नहीं पहनूँगा और कुर्ता भी नहीं पहनूँगा। अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो मैं अभी जमीन पर लोट जाऊँगा और तेरी गोद में नहीं आऊँगा। मैं नंदबाबा का बेटा कहलाऊँगा, तेरा बेटा भी नही कहलाऊँगा।

इस प्रकार चंद्रमा का खिलौना न मिलने पर कृष्ण अपनी माँ यशोदा को धमकी भरी बातें कह कर उनसे चंद्र खिलौना लाने की जिद करते हैं।

3. कवि 'आरसीप्रसाद सिंह' जी ने 'जीवन का झरना' कविता में मनुष्य को झरने के माध्यम से जीवन में लगातार चलते रहने की प्रेरणा दी है। **3**

कवि ने झरने के साथ जीवन की तुलना करते हुए बताया है कि झरने में पानी है तो जीवन में ही उसकी मस्ती है। झरने के दो किनारों की तरह सुख-दुख रूपी जीवन के दो किनारे हैं। झरना अपने मार्ग में अवरोधक चट्टानों से संघर्ष करते हुए आगे बढ़ता है, उसी तरह जीवन को भी आगे बढ़ने के लिए मुश्किल हालातों से संघर्ष करना पड़ता है। झरना संघर्ष करते हुए मैदान में उतरता है तो जीवन भी कार्यक्षेत्र में उतरकर अपना स्थान बनाता है। झरने में गति होती है तो जीवन में जवानी। झरने की गति ही उसका जीवन है तो जीवन में प्रगति करना ही उसकी सार्थकता। झरने के बहाव का रुक जाना उसके जीवन का अंत है तो जीवन में प्रगतिशीलता का रुकना उसके पतन का प्रारंभ है।

इस प्रकार कवि ने झरने की तुलना जीवन से की है।

4. संतकवि 'कबीरदास' जी ने 'कबीर के दोहे' कविता के माध्यम से संतोष, अतिथि - सेवाभाव, गुरु के महत्त्व तथा दान की महत्ता को बताया है। **3**

कवि कबीर जी कहते हैं कि हमारे जीवन में गुरु का बहुत बड़ा महत्त्व है । जो गुरु को पराया समझते हैं अर्थात महत्त्व नहीं देते वे बहुत बड़े अज्ञानी हैं । उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं कि ईश्वर के रूठ जाने से गुरु की शरण मिलना संभव है परंतु गुरु के रूठ जाने पर इस संसार में हमें कहीं कोई भी शरण नहीं मिल सकती । अर्थात गुरु को पराया न समझ कर हमें उनके चरणों में पूर्ण रुप से समर्पित हो जाना चाहिए। सारी विपत्तियों से वे ही हमारी रक्षा कर सकते हैं ।

इस प्रकार कबीर ने गुरु के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए कहा है कि ईश्वर के रूठ जाने पर भी गुरु की शरण संभव है ।

उ.**3**. **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :**

1. सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । **4**

लेखक परसाई जी ने जिन लोगों की बीमारियों का वर्णन किया है । उनमें से एक पुस्तक विक्रेता बंधु भी हैं । उनके दुख का कारण यह है कि पिछले साल उन्होंने पचास हजार की किताबें पुस्तकालयों को आसानी से बेच दी थीं परंतु इस वर्ष केवल चालीस हजार रुपए की पुस्तकें ही बड़ी मुश्किल से बिक पाई थीं । पुस्तक - विक्रेता बंधु की अभिलाषा थी कि लेखक उसकी बातों पर विश्वास करे और सहानुभूति भी दिखाए परंतु लेखक उनके प्रति कोई सहानुभूति व्यक्त नहीं कर पाया । लेखक ने पुस्तक - विक्रेता बंधु के पास अपनी सौ किताबें बेचने के लिए रख दी थीं । वे सभी बिक भी गई थीं । जब - जब लेखक उनसे अपनी पुस्तकों के पैसे माँगते तो वे ऐसे हँसने लगते जैसे लेखक ने उनके साथ असहनीय मजाक कर दिया हो ! व्यंग्यकार होने कारण जब भी लेखक अपने पैसे माँगता तो उन्हें व्यंग्य - विनोद मानकर टाल दिया जाता । पुस्तक - विक्रेता बंधु द्वारा कम बिक्री की बात तो सिर्फ लेखक को पैसे न देने का बहाना था । इसलिए लेखक उनके प्रति कभी - भी सच्ची सहानुभूति व्यक्त नहीं कर पाया ।

इस प्रकार पुस्तक - विक्रेता बंधु को इस वर्ष कम पुस्तकें बेच पाने के दुख की बीमारी थी परंतु लेखक उनके दुख की बीमारी रूपी नाटक को भली - भाँति समझता था ।

2. चिन्मय और चारु भाई-बहन है । 10 अप्रैल, 2012 को अपनी माँ नेहा शर्मा के साथ लोकल ट्रेन से यात्रा कर रहे इन मासूम बच्चों ने ऐसा अनोखा कारनामा कर दिखाया, जिसे सुनकर लोग दाँतों तले उँगलियाँ दबाने लगे । वे जिस डिब्बे में सवार थे, उसमें दो बदमाश घुस आए । ज्यों - ही गाड़ी चली उनमें से एक बदमाश ने साठ वर्षीय महिला यात्री का हैंडबैग छीन लिया । हाथ में चाकू लिए दूसरे बदमाश ने चारु और चिन्मय की माँ का हैंडबैग छीन लिया । गुस्से में आकर चारु ने झपटकर बदमाश के हाथ से बैग छीन लिया । इसपर बदमाश ने चारु के बाल पकड़कर उसे दरवाजे की तरफ धकेल दिया । इतने में पीछे से आकर चिन्मय ने उस बदमाश के बाल खींचे और अपने पैने दाँतों से उसे काट खाया । बदमाश के हाथ से चाकू छूट गया । चिन्मय ने बिना एक पल **4**

गँवाए चलती ट्रेन से चाकू बाहर फेंक दिया। दूसरे बदमाश ने बौखलाकर चिन्मय को सीट के नीचे धकेल दिया । फिर भी दोनों बच्चे बहादुरी से बदमाशों का मुकाबला करते रहे। इसी दौरान बदमाश के हाथ से वृद्ध महिला यात्री का बैग छूट गया जिसे चिन्मय ने लपक लिया । यह देखकर बदमाश घबरा गए और अगला स्टेशन आते ही दोनों ट्रेन से कूदकर भाग खड़े हो हुए ।

इस प्रकार चिन्मय और चारु ने भागती ट्रेन में झपटमारों से बहादुरी पूर्वक मुकाबला किया ।

3. लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । **4**

हिंदुस्तान में तुलसी के पौधे को बहुत ही महत्त्वपूर्ण माना गया है । यहाँ के लोग तुलसी के पौधे को बहुत ही पवित्र और पूज्नीय मानते हैं । यही कारण है कि अधिकतर घरों में यह पौधा पाया जाता है । हिंदू स्त्रियाँ तुलसी के पौधे की पूजा - परिक्रमा करती हैं । इसपर नैवेद्य, रोली और अक्षत चढ़ाती हैं । धूप - दीप के साथ आरती की जाती है । तुलसी की शादी रचाती हैं । चरणामृत में तुलसी की पत्तियाँ अनिवार्य रूप से डाली जाती हैं । पूजा के जलपात्र में पानी के साथ तुलसी दल देवताओं को चढ़ाया जाता है । मरते समय आदमी के मुख में तुलसी की पत्ती रखे बिना संस्कार पूरा नहीं होता । हिंदू लोगों द्वारा जनेऊ व चूड़ी वगैरह टूटने पर पवित्र जगह यानी तुलसी के पास रखे जाते हैं ।

इस प्रकार हिंदुस्तान के जनजीवन एवं जनमानस पर तुलसी का प्रभाव जन्म से मृत्यु तक बड़ी गहराई के साथ जुड़ गया है ।

4. सुप्रसिद्ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है । **4**

लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ किऊल रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित था । विद्यापीठ जाने के लिए उस जनहीन बीहड़ स्टेशन पर उतरकर मोटर मार्ग द्वारा जाना पड़ता है । किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग भी निरापद नहीं है । यहाँ आए दिन डाके पड़ते ही रहते हैं । इसलिए विद्यापीठ की बालिकाओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित करते समय लेखिका को अनुरोध किया गया कि यात्रा कठिन अवश्य है, संभवतः आपको कष्ट भी होगा किंतु चिंता की कोई बात नहीं है । कुछ सहयोगी कार लेकर किऊल सटेशन पर उपस्थित रहेंगे । लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था रही है । यहाँ की बालिकाएँ शिक्षा पूर्ण के बाद जब विदा लेती हैं, तो उन्हें उसी स्नेह और आत्मीयता से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है । बालिकाओं के विदाई कार्यक्रम पर अक्सर किसी प्रसिद्ध साहित्यकार को अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया जाता है । गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं । उनके हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, इस वर्ष विदा हो रही बालिकाओं की हार्दिक इच्छा थी कि उसी वृक्ष के पास में लेखिका के हाथों से लगा वृक्ष भी लहलहाएँ ।

इस प्रकार लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की संक्षिप्त जानकारी दी गई है ।

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए।

1. लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है। **8**

थिंफू भूटान की वर्तमान राजधानी का एक शहर है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता काठमांडू और दार्जिलिंग से किसी भी स्तर में कम नहीं है। इस नगर के सारे मकान भूटानी प्रणाली में बने हैं। यहाँ की जनसंख्या केवल पचीस हजार है, जबकि पूरे भूटान की जनसंख्या सिर्फ सवा लाख है। थिंफू में केवल एक ही बैंक है - बैंक ऑफ भूटान। उसकी कलापूर्ण इमारत देखते ही बनती है। उसकी साज-सज्जा किसी विलासी राजा के रंगमहल से कम नहीं है।

भूटान की मुद्रा को 'गुलत्रम' कहते हैं और उसका मूल्य हमारे एक रुपए के बराबर होता है। भूटान देश में भारतीय मुद्रा का आम प्रचलन है। यहाँ दोनों मुद्राओं का प्रयोग किया जाता है। जैसे भूटान में एक बैंक है, वैसे ही एक ही पेट्रोल पंप भी है जो राजधानी के नगर में आने-जाने वाली सभी मोटर-जीपों को पेट्रोल की पूर्ति करता है। थिंफू बुद्ध-धर्मियों का तीर्थ स्थान भी बन गया है। थिंफू नरेश का राजमहल अंतःवर्ती क्षेत्र में है जो अब राजमाता का निवासस्थान है। थिंफू के नरेश नदी के तट पर बनी पर्णकुटी में रहते हैं क्योंकि यहाँ के नरेश को राजमहल की शान-शोभा पसंद नहीं है।

भूटान देश का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग शहर से किया जाता है। झाँग सुंदर व दर्शनीय स्थल है। रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल समिति ही नरेश को राज्य-संचालन के लिए सलाह देती है। जनप्रतिनिधि, धर्मपीठ के प्रतिनिधि और शासन द्वारा कुल डेढ़ सौ सदस्य नियुक्त करते हैं। अंदरुनी राज्य संचालन में भूटान सार्वभौम देश है लेकिन विदेशी नीति के लिए भारत की सलाह लेना भूटान के लिए बंधनकारी है। भूटान में सिर्फ भारत देश का ही दूतावास है।

2. सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है। **8**

'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में परसाई जी ने लोगों की अपनी - अपनी परेशानी को सटीक हास्य - व्यंग्य शैली में प्रस्तुत किया है। लेखक के अनुसार इस संघर्षपूर्ण संसार में किसी व्यक्ति का जीवित रहने के लिए संघर्ष जारी है तो किसी व्यक्ति का संघर्ष अपनी संपन्नता को बनाए और बचाए रखने के लिए है। धनी वर्ग अंतहीन टैक्स की बीमारी से जकड़ा हुआ है। पुस्तक - विक्रेता बंधु पुस्तकों की कम बिक्री से दुखी है। गांधी - प्रतिष्ठान में कार्यरत ईमानदार व्यक्ति वहाँ की बेईमानी से व्यथित है। आठ कमरोंवाले मकान का निर्माता पैसों के अभाव में छह कमरे ही बना पाने के कारण दुखी है। एक अन्य व्यक्ति को रोटरी मशीन आ जाने के बाद मोनो मशीन मिलने में हो रही परेशानी का दुख है। लेखक भी अपने बिजली के बिल को ना भर पाने की समस्या से परेशान है। लेखक ने बड़े अमीरों से अनुरोध किया है कि वे अपने धन का कुछ हिस्सा भी यदि दान कर दें तो गरीबों को इससे बड़ी मदद मिलेगी और बड़े अमीरों को भी भारी टैक्स की बीमारी से मुक्ति मिल जाएँगी।

इस प्रकार प्रस्तुत पाठ 'अपनी - अपनी' बीमारी में समाज के भिन्न - भिन्न वर्ग के लोगों की कठिनाईयों पर प्रकाश डालना ही लेखक का उद्देश्य है।

उ.**4.**	**च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**	
1.	पास - उसके **<u>पास</u>** न धन था न दौलत ।	**1**
2.	अचानक - **<u>अचानक</u>** बारिश शुरू हो गई ।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए ।	
1.	धीरे - धीरे - **अव्यय**	**1**
2.	तुमने - **सर्वनाम**	**1**
	ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :	
1.	माँ चिंता में पड़ <u>गई हैं</u> ।	**1**
2.	<u>वे</u> तोलकर <u>बोल रहे थे</u> ।	**1**
	झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :	
1.	लिया (लेना) सहायक क्रिया ।	**1**
2.	सकी (सकना) सहायक क्रिया ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।	
1.	वाक्य - मैं फिर भूल कर <u>बैठा</u> ।	**1**
2.	वाक्य - युद्ध ने कितने ही घर मिटा <u>डाले</u> ।	**1**
	ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :	

	मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया	
1.	माँगना	मँगाना	मँगवाना	**1**
2.	मिलना	मिलाना	मिलवाना	**1**

	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसके प्रकार सहीत लिखिए ।	
1.	बनवाई - द्वितीय प्रेरणार्थक रूप ।	**1**
2.	मँगाया - प्रथम प्रेरणार्थक रूप ।	**1**

	ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्य शुद्ध करके लिखिए।	
1.	राजा का हुक्म टल नहीं सकता।	**1**
2.	लगनवाला व्यक्ति कटु बोलता है।	**1**
3.	वह ग्वाले से रिश्वत माँगता हैं।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्य में योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिरसे लिखिए।	
1.	मैंने कहा, ''भैया मत रोओ, सिर दुखेगा।''	**1**
2.	इसे संस्कृत में 'किंशुक' (क्या यह शुक है ?) कहा गया है।	**1**
3.	ये बरगद, नीम, पीपल आदि के समान फैले हुए होते हैं।	**1**
	(ड) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिएः स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए।	
1.	**खून सवार हो जाना** – किसी को मार डालने को उद्यत होना।	**1**
	वाक्य : दुश्मन को सामने देख कर वीर सैनिकों के सिर पर खून सवार हो गया।	
2.	**मस्तक नवाना** – सिर झुकाना।	**1**
	वाक्य : बहादुर सैनिक दुश्मन के सामने कभी मस्तक नहीं नवाते।	
3.	**कानों में गूँजना** – सुनाई देना।	**1**
	वाक्य : मुश्किल वक्त में माँ की बातें कानों में गूँजने लगती है।	
4.	**जान के लाले पड़ना** – प्राण संकट में होना।	**1**
	वाक्य : शिकारी के जाल में फँसी हुई चिड़िया की जान के लाले पड़ गए।	
5.	**हामी भरना** – मान्यता देना, विश्वास दिलाना।	**1**
	वाक्य : रतन के फैसले पर सभी ने हामी भरी।	
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित वाक्यों के बदले कोष्टक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिरसे लिखिए।	
	(दहाड़े मारकर रो पड़ना, अवसर न देना, गुदगदा देना, आँखें फाड़कर देखना, बिजली की तरह फैलना)	
1.	हमारे जीवन में गुदगुदाने वाले क्षण बहुत कम होते है।	**1**
2.	मेरे पड़ोस में चोरी हुई यह बात सारे मुहल्ले में बिजली की तरह फैल गई।	**1**
3.	रामलाल को सच्चाई साबित करने का अवसर नहीं दिया गया।	**1**
4.	सर्कस में हम जादूगर का खेल आँखें फाड़कर देख रहे थे।	**1**
5.	इकलौते बेटे की मौत की खबर सुनकर माँ दहाड़े मारकर रो पड़ी।	**1**

उ.**5**.	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.97 - Q.2	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.114 - Q.18	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 131 - Q.36	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 120 - Q.25	**10**
उ.**6**.	**(त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1 - Page No. 186 - Q.3	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1 - Page No. 189 - Q.6	**4**
	(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है।	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 200 - Q. 1	**4**
	(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4 - Page No.82 - Q.6	**4**

❐❐❐❐❐